गुरूजी थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।।

गाम के धोर: भवन निराला,
गाम के धोर: भवन निराला,
प्रगट हो रे बजरंग बाला,
हो तेरे संग बैठे श्याम सरकार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।।

बणी समाधी गुरू मुरारी,
बणी समाधी गुरू मुरारी,
दुनिया जाव: तेरी दवारी,
हो जब बरसे तेरा प्यार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।।

भवन के सयामी माँ का मंदिर,
भवन के सयामी माँ का मंदिर
ज्योती जगती आठों अंदर,
अर: र वा तो बैठी शेर सवार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,

गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।।

दरबारां में दुनिया आव:,
दरबारां में दुनिया आव:,
राजी हो क दर तं जाव:,
अर: र तेरी हो री जय जय कार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।।

रोहित शर्मा तं सोप दी ताली,
रोहित शर्मा तं सोप दी ताली,
सचिन दहिया ने कलम चलाई,
अर: र यो विनोद स चाल,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स,
गुरूजीं थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।।

गुरूजी थारा समचाणा दरबार,
स्वर्ग तं प्यारा लागे स।।

प्रेषक राकेश कुमार जी
खरक जाटान 9992976579

Source: https://www.bharattemples.com/guru-ji-thara-samchana-darbar/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw